राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–47/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने तीन पुस्तकों का विमोचन किया

पटना, 22 अप्रैल, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने राजभवन के दरबार हॉल में तीन पुस्तकों– श्रीमती गीता यू० बादिकिल्लाया एवं श्री ओ०पी० पाण्डेय द्वारा संपादित तथा सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् पद्मश्री श्री के०के० मुहम्मद के सम्मान में समर्पित अभिनन्दन ग्रन्थ 'Glimpses of Art and Archaeology of India and South Asia', डॉ० सुनील कुमार 'प्रियबच्चन' द्वारा लिखित 'प्राचीन पाटलिपुत्र' तथा डॉ० किरण कुमारी द्वारा लिखित 'भारत की विरासत' का विमोचन किया।

इस अवसर पर उन्होंने श्री के०के० मुहम्मद की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे एकाग्रचित्त से ईमानदारी, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ चुपचाप कार्य करनेवाले व्यक्ति हैं। मलखान सिंह जैसे चंबल के डाकू के मन में भी उनके प्रति स्नेह था।

राज्यपाल ने इन पुस्तकों की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया की अकेली संस्कृति है जिसकी निरंतरता बनी हुई है। हजारों वर्ष पूर्व भारतवासियों को प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान करने वाले आदर्श और मूल्य आज भी हमारे लिए उतना ही महत्वपूर्ण हैं। यह हमारी संस्कृति का अनूठापन है। विश्व की अनेक पुरानी संस्कृतियों का नाता आज की संस्कृति से टूट चुका है, किन्तु भारत में ऐसा नहीं हुआ। भारत की संस्कृति चिर पुरातन होते हुए भी आत्मा की तरह नित्य नूतन है।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली के सेवानिवृत्त निदेशक पद्मश्री श्री के०के० मुहम्मद, श्री विकास वैभव, श्रीमती गीता यू० बादिकिल्लाया, श्री ओ०पी० पाण्डेय, श्री सुजीत नयन, गंगा देवी महिला कॉलेज, पटना के संस्कृत विभाग की सेवानिवृत्त उपाचार्य डॉ० किरण कुमारी, विभिन्न राज्यों से आए हुए पुरातत्वविद्गण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....